भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या - 5535

दिनांक 04.04.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

अफ्रीका में भारत की राजनयिक उपस्थिति

5535. **श्री लुम्बाराम चौधरीः**
डॉ. हेमंत विष्णु सवराः
श्री खगेन मुर्मुः
श्रीमती भारती पारधीः
श्री पी. पी. चौधरीः
श्रीमती स्मिता उदय वाघः
श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणेः
श्रीमती शोभनाबेन महेन्द्रसिंह बारैयाः
श्री धर्मबीर सिंहः
डॉ. के. सुधाकरः

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) अफ्रीकी महाद्वीप में भारत की रणनीतिक उपस्थिति को मजबूत करने के लिए क्या पहल/कार्रवाई की गई है;

(ख) क्या ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में अफ्रीकी देशों के साथ कोई नया समझौता या सहयोग स्थापित करने का प्रस्ताव है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) हाल के वर्षों में अफ्रीकी देशों के साथ भारत की विकास सहायता किस प्रकार बढ़ी है; और

(ङ) भारत के लोगों का अफ्रीकी देशों के लोगों के साथ संपर्क बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) से (ङ **)** पिछले दशक में**,** अफ्रीका में भारत की भागीदारी विजन सागर **(**क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास**)** द्वारा निर्देशित रही है**,** जिसे हाल ही में वैश्विक दक्षिण के लिए <u>विजन महासागर</u> **(** क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास की पारस्परिक और समग्र उन्नति **)** तक विस्तारित किया गया था । भारत लगातार उच्च स्तरीय जुड़ावों के माध्यम से अफ्रीकी देशों के साथ सक्रिय राजनयिक संबंध बनाए रखता है**,** जिसमें भारत अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन **(**आईएएफएस**),** भारत**-**अफ्रीका बिजनेस कॉन्क्लेव **(**आईएबीसी**)** आदि जैसे शिखर सम्मेलन और द्विपक्षीय बैठकें शामिल हैं। एचओएस /एचओजी**,** मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के स्तर पर ये बातचीत राजनीतिक संबंधों को मजबूत करने**,** आपसी चिंताओं को दूर करने और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के अवसरों की खोज करने में मदद करती है। हमने **2018** से **16** नए राजनयिक मिशन खोलकर अफ्रीका में अपने राजनयिक पदचिह्न का विस्तार किया है**,** जिससे महाद्वीप में कुल भारतीय मिशनों की संख्या **45** हो गई है। **2023** में हमारी अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ को जी**-20** के स्थायी सदस्य के रूप में शामिल करना भी भारत के लिए अफ्रीका के विकास रूपरेखा एजेंडा **2063** में उसके साथ साझेदारी करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। भारत ने आईसीसीआर और भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग **(**आईटीईसी**)** के तहत अवसंरचना परियोजनाओं**,** क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रमों और ऊर्जा**,** शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा सहित क्षेत्रों में सहयोग जैसी पहलों के माध्यम से अफ्रीका में अपनी रणनीतिक उपस्थिति को मजबूत किया है। अफ्रीका के साथ भारत की विकास साझेदारी सहयोग के परामर्शी मॉडल**,** विकास के अनुभवों को साझा करने और अफ्रीकी देशों की प्राथमिकताओं और जरूरतों को पूरा करने पर केंद्रित है। पिछले कुछ वर्षों में**,** यह टिकाऊ**,** लोगों पर केंद्रित परियोजनाओं को प्राथमिकता देने के लिए विकसित हुआ है। अवसंरचना **,** बिजली**,** जलविद्युत**,** पारेषण और वितरण नेटवर्क**,** बांध**,** सड़क**,** रेलवे**,** कृषि और सिंचाई**,** औद्योगिक इकाइयों**,** कौशल विकास**,** नागरिक निर्माण**,** रक्षा आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में परियोजनाओं को लागू करने के लिए अफ्रीका के

42 साझेदार देशों को **12.22** बिलियन अमेरिकी डॉलर की राशि के **190** से अधिक एलओसी दिए गए हैं। शिक्षा में**,** पिछले **10** वर्षों में आईटीईसी/आईसीसीआर छात्रवृत्ति के तहत भारत में **37,000** से अधिक अफ्रीकियों को प्रशिक्षित किया गया है। भारत ने टेली**-**एजुकेशन और टेली**-**मेडिसिन परियोजना का दूसरा चरण भी शुरू किया है। ऊर्जा के क्षेत्र में**,** हमने अधिकांश अफ्रीकी देशों को ऊर्जा के वैकल्पिक और नवीकरणीय स्रोतों का दोहन करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन **(**आईएसए **)** में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है**;** और वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन को टिकाऊ जैव ईंधन के गहन उपयोग को सुविधाजनक बनाने और बढ़ावा देने के लिए आमंत्रित किया है।

लोगों के बीच आपसी संबंध अफ्रीका के साथ हमारे संबंधों का एक महत्वपूर्ण आयाम हैं**,** और हमने **33** अफ्रीकी देशों को ई**-**वीजा सुविधाएं प्रदान की हैं। लोगों के बीच आपसी संपर्क को और गहरा करने के लिए**,** समय**-**समय पर**,** क्षेत्र के विभिन्न देशों के साथ सांस्कृतिक आदान**-**प्रदान कार्यक्रमों **(**सीईपी**)** पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाते हैं। भारत में विदेशी पत्रकारों के परिचयात्मक दौरे भी आयोजित किए जाते हैं**,** जिसमें सरकारी विभागों के साथ बातचीत और वाणिज्यिक**,** वैज्ञानिक**,** शैक्षिक और पर्यटन संबंधी रुचि के स्थानों का क्षेत्रीय दौरा शामिल होता है।

*****